Hindi -12

Section-A-Language (50 Marks)

प्रश्न 1.

Write a composition in approximately 400 words in Hindi on any ONE of the topics given below : [20]

किसी एक विषय पर निबंध लिखिए जो 400 शब्दों से कम न हो :

(i) 'तकनीकी विकास ने मानव को सुविधाओं का दास बना दिया है' – इस विषय पर अपने विचार व्यक्त – कीजिए।

(ii) 'वर्तमान युग में आगे बढ़ने के लिए धन की आवश्यकता है न कि प्रतिभा की' – इस विषय के पक्ष या विपक्ष – में अपने विचार लिखिए।

(iii) पुस्तक एक सच्ची मित्र, गुरु और मार्गदर्शक का कार्य करके जीवन की धारा को बदल सकती है – 'मेरी प्रिय पुस्तक' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(iv) 'निरंतर अभ्यास करने से इच्छित कार्य में सफलता मिलती है।'- इस कथन को अपने जीवन के किसी निजी अनुभव द्वारा विस्तारपूर्वक लिखिए।

(v) 'सहशिक्षा के माध्यम से बालक-बालिका के मध्य मित्रता और समानता का भाव जागता है।' – इस विषय पर अपने विचार विस्तारपूर्वक लिखिए।

(vi) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर मौलिक कहानी लिखिए –

(a) 'साँच को आँच नहीं'।

(b) एक ऐसी मौलिक कहानी लिखिए जिसका अंतिम वाक्य हो :

..... और इस तरह उन्होंने मुझे माफ कर दिया।

प्रश्न 2.

Read the passage given below carefully and answer in Hindi the questions that follow, using your own words :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़कर, अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:

एक राजा का दरबार लगा हुआ था। सर्दियों के दिन थे, इसलिए राजा का दरबार खुले स्थान पर लगा था, पूरी आम सभा सुबह की धूप में बैठी थी। महाराज ने सिंहासन के सामने एक मेज डलवा रखी थी। राजा के परिवार के सभी सदस्य, पंडितजन, दीवान आदि सभी दरबार में बैठे थे।

उसी समय एक व्यक्ति आया और राजा के दरबार में मिलने की आज्ञा माँगी, प्रवेश मिल गया, तो उसने कहा, "मेरे पास दो वस्तुएँ हैं, बिल्कुल एक जैसी लेकिन एक नकली है और एक असली। मैं हर राज्य के राजा के पास जाता हूँ और उन्हें परखने का आग्रह करता हूँ, लेकिन कोई परख नहीं पाते, सब हार जाते हैं और मैं विजेता बनकर घूम रहा हूँ। अब आपके नगर में आया हूँ।"

राजा ने उसे दोनों वस्तुओं को पेश करने का आदेश दिया, तो उसने दोनों वस्तुएँ मेज़ पर रख दीं। बिल्कुल समान आकार, समान रूप-रंग, समान प्रकाश, सब कुछ नख-शिख समान। राजा ने कहा, "ये दोनों वस्तुएँ एक हैं", तो उस व्यक्ति ने कहा, "हाँ दिखाई तो एक सी देती हैं लेकिन हैं भिन्न। इसमें से एक है बहुत कीमती हीरा और एक है काँच का टुकड़ा, लेकिन रूप रंग सब एक है। कोई आज तक परख नहीं पाया कि कौन सा हीरा है और कौन सा काँच। कोई परख कर बताए कि ये हीरा है या काँच। अगर

परख खरी निकली, तो मैं हार जाऊँगा और यह कीमती हीरा मैं आपके राज्य की तिजोरी में जमा करवा दूंगा, यदि कोई न पहचान पाया तो इस हीरे की जो कीमत है उतनी धनराशि आपको मुझे देनी होगी। इसी प्रकार मैं कई राज्यों से जीतता आया हूँ।"

राजा ने कई बार उन दोनों वस्तुओं को गौर से देखकर परखने की कोशिश की और अंत में हार मानते हुए कहा

"मैं तो नहीं परख सकूँगा।"

दीवान बोले – "हम भी हिम्मत नहीं कर सकते, क्योंकि दोनों बिल्कुल समान हैं।"

सब हारे, कोई हिम्मत नहीं जुटा पाया। हारने पर पैसे देने पड़ेंगे, इसका किसी को कोई मलाल नहीं था क्योंकि राजा के पास बहुत धन था लेकिन राजा की प्रतिष्ठा गिर जायेगी, इसका सबको भय था। कोई व्यक्ति पहचान नहीं पाया। आखिरकार पीछे थोड़ी हलचल हुई। एक अंधा आदमी हाथ में लाठी लेकर उठा। उसने कहा, "मुझे महाराज के पास ले चलो, मैंने सब बातें सुनी हैं और यह भी सुना कि कोई परख नहीं पा रहा है। एक अवसर मुझे भी दो।" एक आदमी के सहारे वह राजा के पास पहुँचा, उसने राजा से प्रार्थना की "मैं तो जन्म से अंधा हूँ फिर भी मुझे एक अवसर दिया जाए जिससे मैं भी एक बार अपनी बदधि को परखें और हो सकता है कि सफल भी हो जाऊँ और यदि सफल न भी हुआ, तो वैसे भी आप तो हारे ही हैं।"

राजा को लगा कि इसे अवसर देने में कोई हर्ज नहीं है और राजा ने उसे अनुमति दे दी। उस अंधे आदमी के हाथ में दोनों वस्तुएँ दे दी गयीं और पूछा गया कि इनमें कौन सा हीरा है और कौन सा काँच?

उस आदमी ने एक मिनट में कह दिया कि यह हीरा है और यह काँच। जो व्यक्ति इतने राज्यों को जीतकर आया था, वह नतमस्तक हो गया और बोला, "सही है, आपने पहचान लिया, आप धन्य हैं! अपने वचन के मुताबिक यह हीरा मैं आपके राज्य की तिजोरी में दे रहा हूँ।" सब बहुत खुश हो गये और जो व्यक्ति आया था वह भी बहुत प्रसन्न हुआ कि कम से कम कोई तो मिला असली और नकली को परखने वाला। राजा और अन्य सभी लोगों ने उस अंधे व्यक्ति से एक ही जिज्ञासा जताई कि, "तुमने यह कैसे पहचाना कि यह हीरा है और वह काँच?"

उस अंधे ने कहा "सीधी सी बात है राजन, धूप में हम सब बैठे हैं, मैंने दोनों को छुआ। जो ठंडा रहा वह हीरा, जो गरम हो गया वह काँच। यही बात हमारे जीवन में भी लागू होती है, जो व्यक्ति बात-बात में अपना आपा खो देता है, गरम हो जाता है और छोटी से छोटी समस्याओं में उलझ जाता है वह काँच जैसा है और जो विपरीत परिस्थितियों में भी सुदृढ़ रहता है और बुद्धि से काम लेता है वही सच्चा हीरा है।

प्रश्न 3.

(a) Correct the following sentences and rewrite :

निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए [5]

(i) तेरे को अध्यापिका ने शीघ्र बुलाया है।

(ii) तुम अकारण बेकार में डर रहे हो।

(iii) प्रातः भ्रमण में कैसी आनन्द आती है।

(iv) इमारत के गिर जाने की आशा है।

(v) मुझे पानी का एक गर्म लोटा चाहिए।

(b) Use the following idioms in sentences of your own to illustrate their meaning :
निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करने के लिए इन्हें वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए :- [5]

(i) कलेजे का टुकड़ा।

(ii) मुँह में पानी भरना।

(iii) रोड़ा अटकाना।

(iv) बाग-बाग होना।

(v) हाथ मलना।

Section-B – Prescribed Textbooks (50 Marks)

गद्य संकलन (Gadya Sanklan)

प्रश्न 4.

"हाँ, और लोग पीछे आते हैं। कई सौ आदमी साथ आये हैं। यहाँ तक आने में सैंकड़ों उठ गये पर सोचता हूँ कि बूढ़े पिता की मुक्ति तो बन गई। धन और है ही किसलिए।"

(i) उपर्युक्त कथन किस पाठ से लिया गया है? इस कथन का वक्ता कौन है? यह कथन किस स्थान पर कहा जा रहा है? [1 1/2]

(ii) वक्ता द्वारा यह कथन किस सन्दर्भ में कहा गया था? [3]

(ii) 'धन और है ही किसलिए।' – वक्ता ऐसा क्यों कहता है? [3]

(iv) वक्ता के संबंध में श्रोता को क्या-क्या पता चलता है? उसका प्रभाव श्रोता पर क्या पड़ता है? अन्ततः श्रोता क्या निर्णय लेता है?

प्रश्न 5.

नीलम का परिचय देते हुए बताइए कि उसके परिवार में कौन-कौन था? वह किस धोखे में अपना जीवन अभी तक व्यतीत कर रही थी? उसे इसका आभास कैसे हुआ? स्पष्ट कीजिए। [12 1/2]

प्रश्न 6.

'भक्तिन का जीवन संघर्ष एवं कर्मठता का जीवन्त उदाहरण है' – उसके जीवन के विभिन्न अध्यायों का वर्णन करते हुए इस कथन की पुष्टि कीजिए। [12 1/2]

काव्य मंजरी (Kavya Manjari)

प्रश्न 7.

किन्तु हम बहते नहीं हैं।
क्योंकि बहना रेत होना है।
हम बहेंगे, तो रहेंगे ही नहीं।
पैर उखड़ेंगे, प्लवन होगा, ढहेंगे, सहेंगे बढ़ जाएँगे,
और फिर हम पूर्ण होकर भी कभी क्या धार बन सकते?

(i) कौन बहते नहीं हैं? कविता के प्रसंग में बताइए। [1 1/2]

(ii) 'बहना रेत होना' कैसे है? [3]

(iii) 'बहना' प्रक्रिया का क्या प्रभाव पड़ता है? कविता के संदर्भ में समझाइए। [3]

(iv) प्रस्तुत कविता का सामाजिक संदर्भ उजागर कीजिए। [5]

प्रश्न 8.

"कवि नागार्जुन ने हिमालय के वर्षाकालीन सौंदर्य का मोहक चित्रण किया है।" पठित कविता 'बादल को घिरते देखा है' के आधार पर व्याख्या कीजिए। [12]

प्रश्न 9.

महादेवी वर्मा पथिक को क्या प्रेरणा दे रही हैं और क्यों? 'जाग तुझको दूर जाना' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [12]

सारा आकाश (Saara Akash)

प्रश्न 10.

अपने काँपते और बेज़ान हाथों को निहायत डरते-डरते उसके कंधे पर रखकर भर्राए और खंडित स्वर में कहा,"प्रभा तुम मुझसे नाराज हो ……?" साथ ही मुझे आश्चर्य हो रहा था कि यह कौन मेरे भीतर से बोल रहा है।

(i) प्रभा कौन थी और वह किससे नाराज थी? [1]

(ii) उपन्यास के नायक का नाम लिखते हुए यह स्पष्ट कीजिए कि उसके आत्मविश्लेषण का क्या परिणाम निकला?

(iii) पति ने अपने बदले स्वभाव का परिचय किस प्रकार दिया? [3]

(iv) पति को अपने बदले हुए व्यवहार पर कैसा अनुभव हुआ और इससे क्या स्पष्ट होता है? [5]

प्रश्न 11.

"सारा आकाश" उपन्यास में वर्णित संयुक्त परिवार की समस्याओं के बारे में शिरीष भाई साहब के विचारों को स्पष्ट कीजिए। [12 1/2]

प्रश्न 12.

'सारा आकाश' उपन्यास में समर की भाभी मध्यमवर्गीय परिवार की भाभियों का प्रतिनिधित्व करती है।' इस कथन को ध्यान में रखते हुए भाभी की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए। [12]

`आषाढ़ का एक दिन' (Aashad ka EK Din)

प्रश्न 13.

" …….. हमारा शरीर कोमल है, तो क्या हुआ? हम पीड़ा सह सकते हैं। एक बाण प्राण ले सकता है, तो उँगलियों का कोमल स्पर्श प्राण दे भी सकता है।"

(i) प्रस्तुत पंक्तियों में वक्ता किससे संवाद कर रहा है, सन्दर्भ सहित लिखिए। [1 1/2]

(ii) हमारा शरीर कोमल है, तो क्या हुआ? हम पीड़ा सह सकते हैं।' वक्ता द्वारा ऐसा कहने का प्रयोजन स्पष्ट कीजिए। [3]

(iii) 'एक बाण प्राण ले सकता है, तो उँगलियों का कोमल स्पर्श प्राण दे भी सकता है।' पंक्ति का

आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की भाषा-शैली की विशेषताएँ बताइए। [5]

प्रश्न 14. 'विलोम का चरित्र मोहन राकेश की एक अनुपम नाटकीय चरित्र-सृष्टि है' कथन के आधार पर विलोम की चारित्रिक-विशेषताएँ लिखिए। [12]

प्रश्न 15.

'ये पन्ने अपने हाथों में बनाकर सिये थे' – उक्त कथन किसका है और किससे कहा गया है? इन पन्नों के बारे में वक्ता तथा श्रोता के बीच क्या बात-चीत हुई? उनकी बात-चीत में छिपे भाव को स्पष्ट कीजिए। [12]